लोहे का निर्यात

262. **श्री मीठा लाल मीना** : क्या इस्पात तथा भारी इन्जीनियरिंग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में देश में लोहे की कमी के कारण निर्यात पर बुरा प्रभाव पड़ा है ; और

(ख) यदि हां, तो लोहे की कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने क्या ठोस कार्यवाही की है ?

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) : (क) और (ख) इस समय कच्चे लोहे की कमी नहीं है और न तो कच्चे लोहे और न ही कच्चे लोहे की बनी वस्तुओं के निर्यात पर प्रभाव पड़ा है।

Industrial Development of Chambal Valley Area

268. SHRI YASHWANT SINGH KUSHWAH : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE be pleased to state :

(a) whether any scheme for industrialisation of the Chambal Vally area adjoining the borders of Madhya Pradesh, Rajasthan and Uttar Pradesh in collaboration with State Governments concerned is under examination of the Central Government with a view to solving the docoity problem of the area; and

(b) if not, the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (SHRI M. R. KRISHNA) : (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

ग्वालियर छोटी लाइन (मध्य रेलवे) में सुधार

264. **श्री यशवन्त सिंह कुशवाह** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ग्वालियर छोटी लाइन (मध्य रेलवे) सेकशन में आवश्यक सुधार करने के लिए चालू बजट वर्ष में क्या कार्यवाही की जा रही है और आगामी वर्ष में क्या कार्यवाही करने का विचार है ;

इस सेकशन के लिए चार डीजल इंजन प्राप्त करने के सम्बन्ध में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि ग्वालियर स्थित छोटी लाइन के रेलवे इंजन की मरम्मत वर्कशाप का स्थानान्तरण कर दिया गया है ; और

(घ) यदि हां, तो क्या छोटी लाइन के रेलवे इंजनों आदि की आवश्यक मरम्मत के लिये ग्वालियर में एक अन्य वर्कशाप स्थापित करने का कार्यक्रम है अथवा क्या ग्वालियर से झांसी तक छोटी रेलवे लाइन बनाने का कार्यक्रम बनाया जा रहा है ताकि छोटी लाइन रेलवे इंजनों आदि की मरम्मत के लिए झांसी लाया जा सके ?

रेलवे मंत्री (श्री नन्दा) : (क) फिलहाल किसी सुधार का प्रस्ताव नहीं है।

(ख) इस खण्ड के लिए डीजल इंजन प्राप्त करने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) जी नहीं। सिंधिया स्टेट रेलवे को अधिकार में लेने से पूर्व, इस रेलवे के इंजन और चल स्टाक का ओवर हाल ग्वालियर इंजीनियरिंग वर्क्स द्वारा किया जाता था। यह कारखाना मध्य प्रदेश सरकार ने अपने अधिकार में ले लिया था और ग्वालियर में चालू